# जैन धर्म हमे प्राणों से भी प्यारा है भजन लिरिक्स

जैन धर्म हमे,
प्राणों से भी प्यारा है,
धर्मो में ये धर्म,
बड़ा ही न्यारा है,
अहिंसावादी, है ये पंथ हमारे,
जहाँ प्रेम की गंगा बहे,
जिनशासन मिला रे,
भाग्य हमारा खिला रे।bd।

तर्ज – हारे हारे हारे।

---

तारणहार , मिले तीर्थंकर,
जंगम तीर्थ ,मिले है स्थावर,
श्रमण वेश को धारण किये जो,
उपकारी ये मिले है गुरुवर,
आओ भाव से, करले वंदना,
जिनशासन मिला रे,
भाग्य हमारा खिला रे।bd।

---

दया दान और, क्षमापना,
जैनो के दिल मे ये भावना,
हो प्राणियों में, सद्दभावना,
'दिलबर' की है ये कामना,
जैन धर्म को करले हम नमन,
जिनशासन मिला रे,
भाग्य हमारा खिला रे।bd।

---

जैन धर्म हमे,
प्राणों से भी प्यारा है,
धर्मो में ये धर्म,
बड़ा ही न्यारा है,
अहिंसावादी, है ये पंथ हमारे,
जहाँ प्रेम की गंगा बहे,
जिनशासन मिला रे,
भाग्य हमारा खिला रे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com